# ULPGM-V3: DRDO की ड्रोन से दागी जाने वाली सटीक मिसाइल के अंतिम विकास-परीक्षण

रक्षा और सुरक्षा | समाचार संदर्भ: 19 मई 2026 | प्रकाशित: 22 अक्टूबर 2026

## खबरों में क्यों

19 मई 2026 को रक्षा मंत्रालय (PIB) ने बताया कि DRDO ने UAV से छोड़ी जाने वाली सटीक निर्देशित मिसाइल ULPGM-V3 के अंतिम "डिलीवरेबल कॉन्फ़िगरेशन" के विकास-परीक्षण पूरे कर लिए हैं। परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पास DRDO की रेंज में हुए। मिसाइल ज़मीन पर और हवा में, दोनों तरह के लक्ष्यों के लिए परखी गई।

## PIB विज्ञप्ति के अनुसार मुख्य बातें

- **परीक्षण:** ज़मीन से (एयर-टू-ग्राउंड) और हवा से हवा (एयर-टू-एयर), दोनों रूपों में। एक एकीकृत ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन (GCS) से मिसाइल का संचालन हुआ, जो तैयारी और प्रक्षेपण को स्वचालित करता है।
- **उपयोग:** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अनुसार ज़मीनी रूप टैंक-रोधी भूमिका के लिए और हवाई रूप ड्रोन, हेलीकॉप्टर और अन्य हवाई लक्ष्यों के लिए है। उन्होंने इसे रक्षा में आत्मनिर्भरता की दिशा में "सामरिक उपलब्धि" कहा।
- **किसने बनाई:** अनुसंधान केंद्र इमारत (RCI), हैदराबाद नोडल प्रयोगशाला रही। उसके साथ DRDL (हैदराबाद), TBRL (चंडीगढ़) और HEMRL (पुणे) ने काम किया।
- **उत्पादन साझेदार:** भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (हैदराबाद) और अदाणी डिफ़ेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड (हैदराबाद)।
- **UAV:** वर्तमान परीक्षणों के लिए यह प्रणाली बेंगलुरु की न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज़ के UAV पर लगाई गई।
- **आपूर्ति शृंखला:** विज्ञप्ति के अनुसार मिसाइल पूरी तरह भारतीय रक्षा तंत्र में बनी, जिसमें बहुत से MSME और उद्योग शामिल थे। विज्ञप्ति का कथन है कि परीक्षणों ने "पूरी तरह परिपक्व घरेलू आपूर्ति शृंखला" की पुष्टि की, जो "तत्काल धारावाहिक बड़े पैमाने के उत्पादन" के लिए तैयार है। यह मंत्रालय का दावा है; इससे यह नहीं कहा जा सकता कि उत्पादन शुरू हो चुका है।

## प्रेस रिपोर्टों में अतिरिक्त जानकारी

- इंडियन एक्सप्रेस (23 मई, स्पष्टीकरण लेख) के अनुसार अंतिम विकास-परीक्षणों के बाद सशस्त्र बलों के उपयोगकर्ता-परीक्षण होंगे, और "डिलीवरेबल कॉन्फ़िगरेशन" शब्द से लगता है कि आगे ज़्यादा बदलाव नहीं होंगे। यह लेख का अनुमान है।
- एक DRDO वैज्ञानिक के हवाले से उसी लेख में कहा गया कि V1 सामान्य मुक्त-पतन सटीक मिसाइल थी, V2 में प्रणोदन, अधिक दूरी और मार्ग के बीच लक्ष्य बदलने की सुविधा आई, और V3 ज़मीनी तथा हवाई, दोनों लक्ष्यों पर वार कर सकती है। लेख के अनुसार इसमें उच्च-परिभाषा दो-चैनल सीकर, दो-तरफ़ा डेटा लिंक और तीन तरह के वारहेड (टैंक-रोधी, बंकर-भेदी और प्री-फ़्रैगमेंटेशन) बताए गए हैं। ये बातें PIB विज्ञप्ति में नहीं हैं और एक अनाम वैज्ञानिक पर आधारित हैं।
- आकाशवाणी (20 मई) ने लिखा कि परीक्षणों की सफलता से मिसाइल के धारावाहिक उत्पादन का रास्ता साफ़ हो गया है। यह आकाशवाणी की अपनी भाषा है, PIB की नहीं।
- द हिंदू (20 मई) ने मंत्रालय और DRDO के इन्हीं ब्योरों को छापा और इसे आंध्र प्रदेश को रक्षा-निर्माण केंद्र बनाने के प्रयासों से जोड़ा।

## परीक्षा की दृष्टि से

- **ULPGM-V3:** UAV से दागी जाने वाली सटीक निर्देशित मिसाइल; DRDO की RCI प्रयोगशाला नोडल; BDL और अदाणी डिफ़ेंस उत्पादन साझेदार।
- विकास-परीक्षण और सशस्त्र बलों के उपयोगकर्ता-परीक्षण का अंतर (यह क्रम समाचार-लेख के अनुसार है)।
- **मुख्य परीक्षा के लिए प्रश्न:** ड्रोन-आधारित युद्ध में स्वदेशी हथियारों का महत्व; रक्षा में आत्मनिर्भरता में DRDO, सार्वजनिक क्षेत्र, निजी उद्योग और MSME की भूमिका।

## स्रोत

- PIB (रक्षा मंत्रालय), 19 मई 2026
- इंडियन एक्सप्रेस, 23 मई 2026
- द हिंदू, 20 मई 2026
- आकाशवाणी, 20 मई 2026

सीमाएँ: PIB विज्ञप्ति पूरी पढ़ी गई। उसमें मिसाइल की मारक दूरी, वज़न, वारहेड के प्रकार और उपयोगकर्ता-परीक्षण का कार्यक्रम नहीं है; ये बातें केवल प्रेस रिपोर्टों में हैं, उनमें से कुछ एक अनाम वैज्ञानिक पर आधारित हैं। परीक्षण की सटीक तिथि विज्ञप्ति में नहीं है; 19 मई की तिथि घोषणा की है। मई के बाद की स्थिति (उपयोगकर्ता-परीक्षण या उत्पादन) की जाँच नहीं हुई।